सेमेस्टर II

हिन्दी शिक्षण '7 A'

Unit II: भाषिक योग्यताओं का विकास

1. श्रव्य - दृश्य एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास
   a. भाषायी कौशलों का विकास
   b. भाषायी कौशलों का महत्व
   c. भाषा के कौशल
   d. श्रवण उद्देश्य एवं अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
   e. श्रवण कौशल के लिए श्रव्य सामग्री का प्रयोग
   f. भाषायी कौशल - उच्चारण या बोलने का कौशल
   g. मौखिक अभिव्यक्ति की आवश्यकता

2. पठन - योग्यता का विकास
   a. पठन एवं वाचन शिक्षण कौशल
   b. विद्यालय में हिन्दी शिक्षक द्वारा सस्वर वाचन एवं मौन-वाचन के अवसर
   c. सस्वर वाचन व मौन वाचन में अन्तर
   d. वाचन शिक्षण की विधियाँ
   e. वाचन के लिए ध्यान देने योग्य बातें
   f. उच्चारण के भेद

3. लिखित अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
   a. लेखन कौशल
   b. लेखन शिक्षण की आवश्यकता
   c. लेखन कौशल का महत्व
   d. लेखन शिक्षण का समय
   e. हिन्दी भाषा की लिखित शिक्षा
   f. लिखित अभिव्यक्ति की शिक्षण विधियाँ
   g. शुद्ध लेखन तत्व

By: Dr. Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

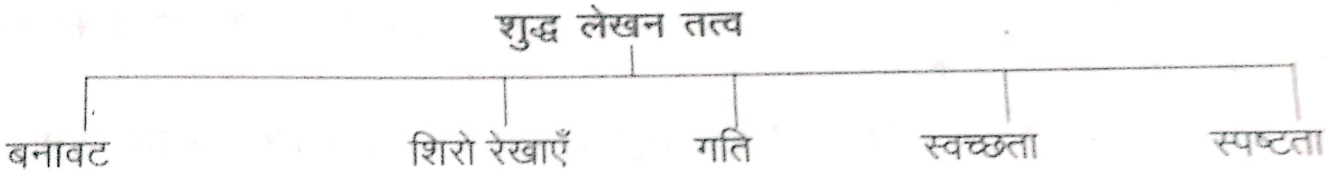

वर्तनी शिक्षण—'वर्तनी' शब्द संस्कृत के 'वर्तन' शब्द से बना है जिसका अर्थ है जो व्यवहार में प्रयुक्त हो। यही कारण है कि शब्द के लिखित रूप को उसी शब्द की वर्तनी कहा जाता है। हम यों कह सकते हैं कि भाषा को शुद्ध रूप में बोलने के लिए शुद्ध उच्चारण का महत्व है उसी प्रकार से भाषा को शुद्ध रूप से लिखने के लिए शुद्ध वर्तनी की आवश्यकता है।

Scanned with CamScanner